सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 299 | जौनपुर, शुक्रवार, 26 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मुख्य सचिव का आदेश– परीक्षा केंद्रों पर न हो कोई गड़बड़ी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह व डीजीपी प्रशांत कुमार ने सिपाही भर्ती परीक्षा के सकुशल आयोजन के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी मंडलायुक्तों, डीएम तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षाओं को नकलविहीन, पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी डीएम को निर्देश दिए कि वह अपने स्तर से परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और परीक्षार्थियों के बैठने के लिए फर्नीचर एवं पीने के पानी आदि की व्यवस्था की जांच करायें। कोई अव्यवस्था होने पर संबंधित केंद्र के प्रमुख से संपर्क कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। उन्होंने परीक्षा की संवेदनशीलता के दृष्टिगत पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि डीएम एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण करें। ईवीएम मशीनों की तरह परीक्षा के प्रश्न पत्रों की निगरानी व सुरक्षा की जाए। परीक्षा के दौरान रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर भारी तादाद में अभ्यर्थियों का आवागमन होगा, जिसके लिए पहले से व्यवस्था करें। आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था का भी बंदोबस्त रखें। परीक्षा केंद्रों के आसपास एम्बुलेंस सेवा मौजूद रहे। वहीं डीजीपी ने कहा कि परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए और कड़ी सुरक्षा में पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपन्न होनी चाहिए।

सत्येन्द्र जैन की याचिका पर ईडी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येन्द्र जैन द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट के संज्ञान आदेश और उसके बाद के न्यायिक रिमांड आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 29 जुलाई, 2022 को ईडी की अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) पर संज्ञान लिया और मामले में सत्येंद्र जैन के लिए समन जारी किया। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा और मामले की तारीख 22 अगस्त 2024 तय की। वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन और अधिवक्ता मयंक जैन दिल्ली उच्च न्यायालय में सत्येन्द्र जैन की ओर से पेश हुए। मई में दिल्ली हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येन्द्र कुमार जैन की डिफॉल्ट जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी किया था। सत्येन्द्र जैन ने दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के आदेश को चुनौती दी।

सीएम की बैठक में फिर नहीं पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश भाजपा में सियासी रार फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बृहस्पतिवार को बुलाई गई बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या फिर नहीं पहुंचे। जबकि वह सीएम आवास के बगल में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर रहे और कई पूर्व व वर्तमान मंत्रियों से मुलाकात की । केशव के बैठक में नहीं पहुंचने को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। दरअसल मुख्यमंत्री मंडलवार भाजपा और सहयोगी दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ने मेरठ और प्रयागराज मंडल की बैठक बुलाई थी। प्रयागराज मंडल की बैठक में भाजपा के साथ अपना

दल (एस) के विधायक भी पहुंचे थे, लेकिन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या नहीं पहुंचे, जबकि वह लखनऊ में ही थे। बैठक में पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, नंद गोपाल गुप्ता उर्फ नंदी समेत सभी विधायक पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से विधानसभावार लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर चर्चा की और हार के कारणों की जानकारी ली। बता दें कि लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही केशव मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होने वाली किसी भी बैठक में नहीं जा रहे हैं। यहां तक वह कैबिनेट की बैठकों से भी दूरी बनाए हुए हैं। इसे लेकर सियासी गलियारों में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बैठक में शामिल न होने को लेकर केशव से संपर्क करने की भी कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। अलबत्ता केशव के एक करीबी का कहना है कि जिस समय सीएम की बैठक थी, उस समय उप मुख्यमंत्री का कहीं एक और कार्यक्रम था, इसलिए वह बैठक में नहीं पहुंच पाए। केशव सीएम की बैठक में भले ही नहीं गए, पर पूरे दिन अपने आवास पर नेताओं व जनप्रतिनिधियों से मिलते रहे। केशव से बृस्पतिवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी और राज्यमंत्री दिनेश खटीक समेत कई लोगों ने मुलाकात की। इसकी जानकारी खुद केशव ने अपने एक्स हैंडल से देते हुए फोटो भी शेयर किया है। इसी बीच बुधवार को अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी सीएम से मुलाकात कर प्रदेश के सियासी माहौल को गरमा दिया है। सूत्रों के मुताबिक पल्लवी मुख्यमंत्री आवास पर करीब 25–30 मिनट रही। पल्लवी की सीएम से क्या बात हुई इस पर पल्लवी कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। जबकि उनके करीबी सूत्रो का कहना है कि वह अपने क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं।

बैनर पोस्टर के माध्यम से भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों को जागरुक कर रही एंटी करेप्शन टीम

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले में घूस लेकर मोटी कमाई करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों पर पैनी नजर एंटी करेप्शन टीम पड़ गई है। शुक्रवार को सरकारी व कार्यालयों के साथ साथ सार्वजनिक स्थानों पर प्रभारी निरीक्षक एंटी करप्शन राय साहब द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ बैनर,पोस्टर लगवाया। उन्होंने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट, एसएसपी कार्यालय, बीएसए कार्यालय, विकास भवन, एआरटीओ कार्यालय, बिजली विभाग, तहसील, स्वास्थ्य विभाग,आयकर विभाग सहित कई कार्यालयों पर बैनर –पोस्टर लगवाया। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर किसी भी सरकारी विभाग में किसी अराजपत्रित अधिकारी व कर्मचारी द्वारा सरकारी कार्य करने की एवज में रिश्वत की मांग की जाती है तो वे बेहिचक किसी भी समय उनके मोबाइल नंबर 9454401900 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं या फिर सीधे उनके कार्यालय पर आकर उनसे संपर्क कर सकते हैं।

आसियान के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत बनाने की उम्मीद – एस. जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर आसियान की बैठक के लिए गुरुवार को अपने तीन दिवसीय दौरे पर लाओस की राजधानी वियनतियाने पहुंचे। एस जयशंकर ने कहा कि वह दक्षिण पूर्वी राष्ट्रों के संगठन के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। एस जयशंकर ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, आसियान–मैकेनिज्म बैठकों में हिस्सा लेने के लिए लाओस की राजधानी वियनतियाने पहुंच गया

हूं। एक्ट ईस्ट नीति के 10 साल पूरे होने के अवसर पर आसियान के साथ भारत के संबंधों को और गहरा बनाने की उम्मीद है। वियनतियाने से विदेश मंत्री एस जयशंकर 29 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्रियों के साथ क्वाड विदेश मंत्रियों की अगली बैठक में हिस्सा लेने के लिए जापान के टोक्यो जाएंगे। वियनतियाने में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन के विदेश मंत्रियों की 57वीं बैठक में 31 देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधियों समेत 1 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इंडो–पैसिफिक विजन के एक प्रमुख साझेदार भी हैं। 2024 के आसियान अध्यक्ष के रूप में लाओस की ओर से 22–27 जुलाई तक आसियान एन्हांसिंग कनेक्टिविटी एंड रेसिलिएंसश विषय पर 25 मंत्रिस्तरीय बैठकों की मेजबानी की जा रही है।

लायंस क्लब क्षितिज ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर किया रक्तदान शिविर का आयोजन

जौनपुर ब्यूरो चीफ

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लायंस क्लब क्षितिज ने आई एम ए ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। संस्थाध्यक्ष लायन प्रदीप सिंह ने कहा कि शहीदों की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। हमें शहीदों को सदैव याद रखना चाहिए। शहीदों की बदौलत ही पूरा देश खुली हवा में सांस ले रहा है। लोगों को देश के महापुरुषों, सैनिकों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश हित में कार्य करना चाहिए। संस्थापक अध्यक्ष लायन शशांक सिंह रानू ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। यह रक्तदान द्वारा ही एक दूसरे को उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी को कम 1से कम साल में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए क्योंकि इन दिनों रक्त की कमी हो गई है। पूर्व अध्यक्ष जयकृष्ण साहू जैकी ने कहा हमारे देश के वीर जवानों के साहस और बलिदान को स्मरण करने के लिए हम 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाते हैं। रक्तदान एक महान कार्य है जिससे न केवल किसी की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह हमारे समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। इस कारगिल विजय दिवस पर हम अपने वीर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रक्तदान के माध्यम से अपना योगदान दे सकते हैं। इस रक्तदान शिविर में प्रदीप सिंह, विशाल बर्नवाल, अजीत सोनकर, जय कृष्ण साहू जैकी, अभिषेक गुप्ता सोनू आदि लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर ब्लड डोनेशन चेयरपर्सन दिलीप जायसवाल, अतुल सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक साहू, संजय जयसवाल, जगन्नाथ मोदनवाल, सुषमा सोनकर, आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत पर बुरी नजर डालने वाले को उसी की भाषा में जवाब दिया जायेगा - जे०पी० नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने मार्शल रैली में भाग लिया और कारगिल युद्ध के दौरान अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के सम्मान में कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि इस दिन को हम विजय दिवस के रूप में मनाते हैं लेकिन इसके साथ ही हम उन सैनिकों के बलिदान को भी याद करते हैं। कारगिल युद्ध बहुत ही कठिन माहौल में लड़ा गया युद्ध था। पाकिस्तान ने सीधा हमला नहीं किया बल्कि चोरों की तरह कारगिल में आकर डेरा डाल दिया। हमारे जवानों ने कठिन माहौल में युद्ध लड़ा। नड्डा ने कहा कि हम कल उन वीर सपूतों को याद करेंगे जिनके शौर्य और बलिदान के कारण कारगिल विजय हुई और जो पाकिस्तान ने भारत पर कुत्सित निगाहें डाली थी, उनके इरादे को हमारे जवानों ने चकनाचूर करने

का काम किया। हमारे सैनिकों ने देश के लिए जो साहस और बलिदान दिया है, उसे हमें नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कारगिल विशेष परिस्थितियों में हुआ युद्ध था। पाकिस्तान ने पहले से युद्ध की घोषणा नहीं की थी, बल्कि उसकी सेना ने भारतीय सीमाओं में घुसपैठ की थी और रणनीतिक रूप से लाभप्रद स्थिति में थी।

जेपी नड्डा ने कहा हमारे सैनिकों को दुश्मन से लड़ने के लिए पहाड़ की चोटी पर चढ़ना पड़ा, फिर भी वे डरे नहीं और दुश्मनों को हराकर तिरंगा फहराया! उन्होंने कहा कि आपको यह जानकर खुशी भी होगी और आश्चर्य भी होगा कि जब कारगिल का युद्ध चल रहा था तो हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी उस समय उत्तर भारत के भाजपा के बतौर महामंत्री प्रभारी भी थे। और जब कारगिल का युद्ध चल रहा था तो हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी उस समय भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि के नाते वो कारगिल के युद्ध में वहां जाकर जवानों को शाबाशी दी थी। भाजपा प्रमुख ने साफ तौर पर कहा कि यह नया भारत है! उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान बुरी नजर डालने की जुर्रत करता है तो भारत सर्जिकल स्ट्राइक से जवाब देता है।

नीति आयोग की बैठक से ममता बनर्जी की भी दूरी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नीति आयोग सरकारी परिषद की बैठक में शामिल होने के बारे में प्रारंभिक रिपोर्ट सामने आने के कुछ दिनों बाद, सूत्रों ने गुरुवार को संकेत दिया कि टीएमसी सुप्रीमो अब बैठक में शामिल नहीं हो सकती हैं, जिसकी अध्यक्षता शनिवार (27 जुलाई) को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सूत्रों ने कहा कि चूंकि विपक्ष शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों, जो कि इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, ने पुष्टि की है कि वे बैठक में भाग नहीं लेंगे, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी इसमें भाग नहीं लेने का फैसला किया है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बारे में अधिक जानकारी अभी भी प्रतीक्षित है। यह ध्यान रखना उचित है कि नीति आयोग की बैठक से टीएमसी सुप्रीमो की अनुपस्थिति की अटकलें बनर्जी के बाद आई हैं, जिन्हें आज तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली जाना था और बैठक में भाग लेना था, लेकिन वह यात्रा पर नहीं गईं। वह कल यात्रा करेंगी या नहीं, इसकी पुष्टि के लिए विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनके कर्नाटक समकक्ष सिद्धारमैया के एक दिन बाद, तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी ने भी नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया। रेड्डी ने कहा कि बहिष्कार को विरोध के रूप में चिह्नित किया जाएगा। केंद्र ने कथित तौर पर तेलंगाना के अधिकारों को चोट पहुंचाई और इसके लिए धन जारी नहीं किया। उन्होंने विधानसभा में सरकार के फैसले की घोषणा की। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष होते हैं और उनकी अध्यक्षता में हर साल इसकी गवर्निंग काउंसिल की बैठक होती है। केंद्रीय सचिवालय की ओर से जारी एक आदेश के अनुसार ही काउंसिल की स्थपना की गई है। इसमें सभी राज्यों के सीएम, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और प्रशासक सदस्य हैं। अब तक गवर्निंग काउंसिल की आठ बैठकें हो चुकी हैं। इस बैठक में कोऑपरेटिव फेडरलिज्म, विभिन्न सेक्टरों, विभागों से जुड़े विषयों और संघीय मुद्दों पर चर्चा होती है।

खून के हर कतरे का बदला लेंगे – उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

जम्मू, एजेंसी। जम्मू क्षेत्र में बढ़ते आतंकवाद और सिर्फ जुलाई महीने में ही अब तक 11 जवानों की शहादत को देखते हुए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि पाकिस्तान जम्मू की प्रगति में बाधा डालने के लिए वहां शांति भंग करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन आतंकवादियों द्वारा बहाए गए लोगों के खून के हर कतरे का बदला लिया जाएगा। हम आपको बता दें कि पिछले 45 दिनों में जम्मू क्षेत्र में हुए सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि में उन्होंने यह टिप्पणी की। मनोज सिन्हा ने राजभवन में एक समारोह में कहा, आज एक बार फिर आतंकी देश पाकिस्तान जम्मू संभाग में शांति भंग करने का प्रयास कर रहा है। वह इसकी प्रगति को रोकना चाहता है। उन्होंने कहा, पुंछ–राजौरी से लेकर कठुआ–रियासी और डोडा तक, उन लोगों के परिवारों को निशाना बनाया जा रहा है जो अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना चाहते हैं। एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा बहाए गए (लोगों के) खून के हर कतरे का बदला जरूर लिया जाएगा।

केंद्र सरकार का बयान

हम आपको यह भी बता दें कि कश्मीर सहित देश की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए केंद्र सरकार ने कहा है कि उसकी नीति आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की है और ''आतंकवादी या तो जेल में रहेंगे या जहन्नुम में जाएंगे।'' गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह भी बताया कि विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को

अगस्त 2019 में हटाए जाने के बाद से जम्मू–कश्मीर में भारतीय सेना ने 900 से अधिक आतंकियों को मार गिराया है। आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प जताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कश्मीर में 28 आतंकियों को मार गिराया गया है। उन्होंने स्वीकार किया, ''आतंकी हमलों में हमारे कुछ जवानों की भी जान गई है।'' उन्होंने पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि 2004 से 2014 के बीच आतंकी घटनाओं की संख्या 7217 थी जबकि 2014 से 21 जुलाई 2024 तक ऐसी 2259 घटनाएं हुई हैं ''जो नहीं होना चाहिए थीं। इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की है तथा आतंकवादी या तो जेल में रहेंगे या जहन्नुम में जाएंगे।'' नित्यानंद राय ने बताया कि 2004 से 2014 तक आतंकी हमलों में जान गंवाने वाले सुरक्षा बलों और आम नागरिकों की संख्या 2829 थी जो बीते दस वर्ष में 67 प्रतिशत घट कर करीब 941 रह गई। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर का आज अनुकूल माहौल है, स्कूल, कालेज खुल रहे हैं, कारोबार बढ़ रहा है और अवसंरचना का विकास किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा कि कश्मीर जाने वाले पर्यटक के मन में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता होती है। आतंकी हमले पर्यटकों के मन में चिंता उत्पन्न करते हैं। ऐसे में वहां पर्यटकों की सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं। इस पर राय ने बताया कि 2023 में दो करोड़ 11 लाख पर्यटकों का कश्मीर जाना बताता है कि वहां सुरक्षा की स्थिति है। 2014 से पहले तो पर्यटक कश्मीर जाने से डरते थे। कश्मीरी पंडितों के बारे में पूछे गए एक पूरक प्रश्न के उत्तर में राय ने कहा कि कभी जम्मू–कश्मीर में कश्मीरी पंडितों ने अत्याचार की वजह से घाटी से पलायन किया था। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति एवं साजिश कश्मीरी पंडितों के वहां से पलायन का मुख्य कारण था। राय ने बताया कि घाटी में कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। वहां 6000 रिक्त पदों में से 5700 से अधिक पदों पर नियुक्ति की जा चुकी है और शेष 206 पदों पर जल्द ही नियुक्ति कर दी जाएगी। वहां घाटी के विभिन्न जिलों में 2015 में पीएम पैकेज के तहत 6000 ट्रांजिट आवास निर्माण की मंजूरी दी गई थी। इनमें से 2088 फ्लैट बन गए हैं और शेष का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों की वापसी तथा उनके पुनर्वास के लिए नौकरी की व्यवस्था की गई है। उनके पुनर्वास के लिए की गई इस पहल के तहत 6000 पदों पर उनकी नियुक्ति की जानी थी जिनमें से 5724 पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं।

संपादकीय

एक विचार प्रज्वलित

जम्मू–कश्मीर में एक भूत का साया मंडरा रहा है। हमारे सबसे संकटग्रस्त भूगोल के लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है। लेकिन यह हिंसक मौत का भूत नहीं है जो फिर से अपनी रफ्तार पकड़ रहा है और खून से लथपथ पैरों के साथ नई जमीन पर चल रहा है। यह अब्दुल रशीद शेख का भूत है, जिसे इंजीनियर रशीद के नाम से बेहतर जाना जाता है, जो बारामुल्ला से लोकसभा के स्वतंत्र सदस्य हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि रशीद गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत तिहाड़ जेल में हैं, या यह कि उनके जल्द ही बाहर आने की संभावना अवास्तविक है। इंजीनियर रशीद एक ज्वलंत विचार बन गए हैं, राज्य के साधनों के माध्यम से विद्रोह का विचार। उस विचार को कैद या रोका नहीं जा सकता। यह रशीद द्वारा बारामुल्ला लोकसभा सीट हथियाने के तथ्य के बारे में नहीं हैय यह इसके फैशन के बारे में है। संसद पहुँचने के रास्ते में वह किसे हराते हैं? नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सज्जाद लोन को। कितने से? उन्होंने उमर से दो लाख से ज़्यादा वोट और उनके पूर्व राजनीतिक बॉस सज्जाद से तीन लाख से ज़्यादा वोट ज़्यादा हासिल किए। कश्मीर की स्थापित मूलनिवासी पार्टियों – नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी – में इस बात को लेकर कंपकंपी है कि राशिद की जीत और उसके व्यापक तरीके का क्या मतलब हो सकता है, हालाँकि वे अभी इसे स्वीकार करने से कतराएँगे। राशिद एक ऐसी भावना और एक ऐसे मतदाता वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसके बारे में बहुत कम भ्रम हो सकता है – यह गहराई से और बुनियादी तौर पर राज्य विरोधी है। सिर्फ बारामुल्ला में ही नहीं बल्कि घाटी भर में मतदाताओं की बढ़ती संख्या ने अगस्त 2019 में लगाए गए प्रतिबंधों का समर्थन नहीं किया, जैसा कि कुछ लोग दावा करते हैं, बल्कि इस उपाय और उसके बाद जो हुआ उसके खिलाफ लोगों का गुस्सा उबल रहा है। राशिद या उनके जैसे वैचारिक रूप से अलग–थलग लोगों को मतदाता जनता की नाराजगी और आक्रोश का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करने वाले के रूप में देख सकते हैं। राशिद के बेतहाशा अभियान का मुख्य नारा – ष्जेल का बदला वोट से लेंगे। – शायद जमीन पर मौजूद प्रमुख मूड को पकड़ने के सबसे करीब है। मैं इंजीनियर राशिद से पहली बार 2008 में मिला था। उन्होंने पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के खिलाफ विद्रोह किया था – उस समय भी अलगाववादी झंडा फहरा रहे थे – और बारामुल्ला में अपने पैतृक क्षेत्र लंगेट से निर्दलीय के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया। वह तब, जैसा कि वह कई मायनों में आज भी है, एक अजीबोगरीब व्यक्ति था जो एक विशेष रूप से नियत भूमिका के प्रति आश्वस्त था। उसके पास कोई पार्टी या अनुयायी नहीं थे। उसके पास अपने खुद के कोई संसाधन नहीं थे। वह एक जर्जर झोंपड़ी में रहता था, जिसके फर्श पर घास बिखरी हुई थी और जिसकी मिट्टी की दीवार एक गौशाला से मिलती थी। वह जूते न पहनने का वादा करता था और उसके मुंह से गोवंश की बदबू आती थी। वास्तव में वह एक अस्वच्छ व्यक्ति था जो आश्वस्त था कि वह एक घटना बनने की राह पर है। वह एक ऐसे व्यक्ति की भावना को प्रकट करता था जिसके पास खोने के लिए कुछ नहीं था, विशेष रूप से उसके अलंकृत और अक्सर बहुत स्पष्ट और उत्तेजक बोलने के तरीके से। उदाहरण– हम राज्य द्वारा हमें जिस भी स्थिति में लाना हो, हम उसी स्थिति में आने के आदी हो गए हैं, हमने खुद को कमतर आंकने की शर्म खो दी है, हम ऐसे ही हैं।ष वह खुद को एक कथाकार मानता था, कहानियाँ सुनाना पसंद करता था, जिनमें से कई उसने उर्दू अखब्बारों में प्रकाशित की थींय एक समय था जब वे ऐसी चीजें प्रकाशित करते थे, जो अब आपको स्थानीय थाने से फोन करके मिल जाती थीं। कई सर्दियाँ ऐसी भी थीं जब हम सोने नहीं जाते थे, वे हमें ऐसा आदमी नहीं मानते थे जिसे वे सक्षम समझते थे। हमें सुबह तीन बजे, कभी–कभी उससे भी पहले बाहर जाने का आदेश दिया जाता था, और सड़क के किनारे जमा बर्फ पर लाइन में खड़ा कर दिया जाता था। हमें जूते पहनने की अनुमति नहीं थी और केवल न्यूनतम कपड़े पहनने की अनुमति थी। वे नहीं चाहते थे कि कोई हथियार छिपाए। वहाँ बहुत ठंड होती थी, बर्फ जमी होती थी और सख्त होती थी। ठंड थी लेकिन एड़ियों पर जलते हुए कोयले की तरह महसूस होता था। हम में से हर एक को अपने चेहरे पर लालटेन ऊपर उठा कर रखना था ताकि हमें पहचाना जा सके और फिर हमें अपने आकाओं को आश्वस्त करने के लिए बंदरों की तरह बर्फ पर ऊपर–नीचे कूदना था कि हम कोई हथियार नहीं ले जा रहे हैं, बर्फ में ऊपर–नीचे, ऊपर–नीचे तब तक जब तक कि हम अपने पैरों को महसूस न कर सकें। सुबह की शुरुआत यहीं से होती थी। वे इसे काफिले की ड्यूटी कहते थे। हम सड़क के दोनों ओर मीलों तक एक–एक कतार में चलते थे, बारूदी सुरंगों या विस्फोटकों से बचने के लिए मानव ढाल की तरह। चाहे जो भी हो, हम सैन्य काफिलों के गुजरने के लिए सड़क को सुरक्षित करने के लिए बर्फ को घसीटते थे। जब तक आदेश न दिया जाए, कोई नहीं रुकता, यहां तक घ्कि सुन्न होने से बचने के लिए अपने पैरों को रगड़ने या प्रकृति की पुकार का जवाब देने के लिए भी नहीं। अगर आप रुकते, तो आपको राइफल के बट से मारा जाता। और आपको गिरना नहीं चाहिए था। अगर आप गिरते, तो आपको जूतों से पेट में लात मारी जाती।

कला के रूप में ओलंपिक

आदित्य

जब बैरन पियरे डी कुबर्टिन ने पहली बार आधुनिक ओलंपिक खेलों की कल्पना की थी, तो उनके मन में एक ऐसा मॉडल था जो स्पष्ट रूप से प्राचीन ग्रीस से प्रेरित था, लेकिन रिचर्ड वैगनर द्वारा वकालत की गई "कला के संपूर्ण कार्य" से भी प्रेरित था। खेल एक साधारण खेल प्रतियोगिता नहीं थे, बल्कि एक कलात्मक आयोजन था जिसमें एथलीटों की हरकतों को कला के अन्य रूपों – जैसे संगीत के साथ जोड़ा जाता था। संगीत वास्तव में ओलंपिक में प्रमुखता से शामिल रहा है। जर्मन संगीतकार, रिचर्ड स्ट्रॉस ने 1936 के बर्लिन खेलों में प्रदर्शन किया, जबकि फ्रेडी मर्करी से लेकर वेंगेलिस, फिलिप ग्लास से लेकर जॉन विलियम्स तक, सभी कलाकार विभिन्न ओलंपिक खेलों में संगीत रचना या प्रदर्शन में शामिल रहे हैं। कुबर्टिन की दृष्टि में कला प्रतियोगिताएँ भी शामिल थीं। 1912 में स्टॉकहोम खेलों में वास्तुकला, साहित्य, संगीत, चित्रकला और मूर्तिकला तलवारबाजी या रस्साकशी के साथ–साथ शामिल थे। दिलचस्प बात यह है कि कुबर्टिन ने साहित्य के लिए स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने छद्म नाम से जर्मन में लिखे गए "ओड टू स्पोर्ट" के साथ प्रतियोगिता में प्रवेश किया था। इसके बाद, प्रत्येक ओलंपिक खेलों में ऐसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, कभी–कभी संग्रहालयों के साथ साझेदारी में – 1932 के ओलंपिक खेलों में लॉस एंजिल्स संग्रहालय में एक प्रदर्शनी शामिल थी जो जनता के बीच बेहद लोकप्रिय साबित हुई। हालाँकि, युद्ध के बाद ये प्रतियोगिताएँ मुश्किल से बची रहीं और 1952 में उन्हें छोड़ दिया गया। उनके स्थान पर, ओलंपिक चार्टर के पहले अनुच्छेद की भावना को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित किया गयारू ष्खेल को संस्कृति और शिक्षा के साथ मिलाकर, ओलंपिकवाद प्रयास के आनंद, अच्छे उदाहरण के शैक्षिक मूल्य, सामाजिक जिम्मेदारी और सार्वभौमिक मौलिक नैतिक सिद्धांतों के सम्मान के आधार पर जीवन जीने का एक तरीका बनाना चाहता है।ष ऐसे आयोजन, जिन्हें कभी–कभी श्सांस्कृतिक ओलंपियाडश के रूप में संदर्भित किया जाता है, खेल और कला के बीच के रिश्ते को जीवित रखने की कोशिश करते हैं। इस महीने पेरिस खेलों की ओर बढ़ते हुए, कला प्रदर्शनियों ने पेरिस – और वास्तव में फ्रांस – पर कब्जा कर लिया है, जिससे संस्थान खेलों के विज्ञापनदाताओं में बदल गए हैं। लौवर संग्रहालय आधुनिक खेलों के शास्त्रीय स्रोतों को ट्रैक करता है। क्लाउड मोनेट की कुछ बेहतरीन पेंटिंग रखने वाले संग्रहालय मार्मोटन मोनेट ने 1870 से 1930 के बीच कलाकारों और खेलों के बारे में एक प्रदर्शनी लगाई है। इसके प्रदर्शन में गुस्ताव कैलेबोटे, जॉर्ज बेलोज और अन्य जैसे चित्रकारों द्वारा घुड़सवारी, मुक्केबाजी, तैराकी या नौकायन की पेंटिंग शामिल हैं। आप्रवासन के इतिहास का संग्रहालय इस आयोजन के लिए अधिक राजनीतिक दृष्टिकोण का पक्षधर है, जो 19वीं सदी के अंत से खेल और राजनीति के बीच संबंधों को उजागर करता है। वास्तुकला संस्थान स्टेडियमों का इतिहास प्रस्तुत करता है। अन्य संग्रहालय अपने प्रदर्शनों को बिना

छेड़े छोड़ना पसंद करते हैं, लेकिन उन्होंने खिलाड़ियों से उनके संग्रह से कामों पर टिप्पणी करने या उनके कुछ खेल कार्यों के निर्देशित दौरे आयोजित करने के लिए कहा है। यहूदी धर्म के कला और इतिहास संग्रहालय ने आगंतुकों को हंगरी में जन्मे फोटोग्राफर, आंद्रे स्टीनर के कामों को देखने के लिए आमंत्रित किया है, जिसमें शरीर को गति में दिखाया गया है – गोताखोर, एथलीट, नर्तक सभी हवा में पकड़े गए हैं, जैसे कि उड़ रहे हों। वह स्वयं 1928 में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में डेकाथलॉन चौंपियन थे और वियना में एक यहूदी खेल क्लब में तैराकी कोच थे। खिलाड़ी कलाकार भी हो सकते हैं और इसके विपरीत भी। स्टॉकहोम में मूर्तिकला के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले वाल्टर विनन्स ने पहले 1908 और 1912 के शूटिंग खेलों में पदक जीते थे। प्रसिद्ध फौव पेंटर, मौरिस डी व्लामिनक ने भी साइकिलिंग रेस जीती और एक पक्के रोवर थे। सांस्कृतिक ओलंपियाड का उद्देश्य क्या है? जबकि खेल महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधियों और उत्सवों का अवसर हो सकते हैं, जैसे कि लंदन ओलंपिक में लंदन 2012 उत्सव में समापन के साथ, यह आयोजकों के लिए इस आयोजन के इर्द–गिर्द उत्साह पैदा करने का एक तरीका भी है। लेकिन कुबर्टिन द्वारा वकालत किए गए खेल और कला का मिलन अक्सर ग्रह पर सबसे बड़े खेल आयोजन के प्रदर्शन से ज़्यादा कुछ नहीं होता। 1912 और 1948 के बीच कलाकारों द्वारा जीते गए पदक पदकों और आयोजनों की आधिकारिक सूचियों से गायब हो गए हैं। लेकिन इन प्रदर्शनियों में आने वाले आगंतुकों को खेलों के प्रति अधिक ध्यानपूर्ण दृष्टिकोण मिल सकता है।

सड़कें न हो जरूरतमंदों का घर

विनोद

हमारे शहरों के हर कोने में, जहाँ पर जीवन एक अलग लय में बहता है और जहाँ सपनों को उड़ने के लिए पंख मिलते हैं, इसके पीछे एक कड़वी हकीकत छिपी है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। शहरी जरूरतमंद, जो शहर को जीवित रखने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, उन्हें जीवन की बुनियादी जरूरतों के बिना, खुद को ही संभालना पड़ता है। गर्म भोजन, साफ कपड़े और सोने के लिए सुरक्षित जगह उनके लिए सिर्फ एक दूर का सपना होता है। सोचिए, यदि आपका घर सड़क के किनारे हो और पूरी तरह से अस्थायी हो, जो मौसम की मार झेलने के लिए सबसे आगे खड़ा हो और सड़क के किनारे होने की वजह से हर पल अपने ऊपर खतरा मोल लिए हो, तो यह कैसा लगेगा? यह कल्पना में भी अच्छा प्रतीत नहीं हो रहा है न.....! लेकिन कई लोगों के लिए, यह सिर्फ एक काल्पनिक स्थिति नहीं है, बल्कि एक कठिन सच है, जिसका सामना वे हर दिन करने को मजबूर हैं। सड़कें, जो प्रगति का प्रतीक होनी चाहिए, एक जेल बन जाती हैं जिसमें कोई बचाव, कोई सुरक्षा नहीं है। इन सड़कों पर रहने वाले परिवार, जिसमें छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं, अपने ही जीवन से संघर्ष करते हैं, और साथ ही किस्मत की मार और समाज की उदासीनता बिना किसी शिकायत के सहते चले जाते हैं। आप अक्सर इन लोगों को सड़क के किनारे देख सकते हैं, जो फटे हुए कंबल के नीचे सिमटे हुए मिल जाएँगे। उनके सपने बड़े ही सरल होते हैं, सिर्फ एक ऐसी जगह मिल जाए, जहाँ वे सुरक्षित रह सकें, बिना डर के उठें और अपने परिवार के साथ सुकून से रह सकें। फिर भी, ये सपने कई लोगों को हासिल नहीं हो पाते, और ये लोग गरीबी के लगातार संघर्ष के साए में ही अपना सारा जीवन निकाल देते हैं। यह कितना हृदयविदारक है कि किसी की एक पल की जरा–सी लापरवाही कैसे किसी के जीवन को बर्बाद कर सकती है। एक तेजी से चलती कार, एक ध्यान भटका हुआ ड्राइवर, और एक पल में एक जीवन समाप्त हो जाता है। निर्दोष पीड़ित, जिसकी केवल इतनी गलती थी कि उसने एक रात बिताने के लिए सड़क के किनारे का सहारा लिया था, एक्सीडेंट की वजह से मरने वालों की संख्या में महज एक दुःखद आँकड़ा बन कर रह जाता है। हाल ही में वित्त वर्ष 2024 के लिए बजट पेश किया गया, जिसमें हाशिए पर खड़े लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण उभरी है। सरकार ने अगले पाँच सालों में एक करोड़ शहरी गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 2.2 लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता की घोषणा की है, जो प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के तहत आएगी। यह पहल सिर्फ एक नीति नहीं है, बल्कि उन लोगों के लिए एक वरदान भी है, जो प्रगति की दौड़ में सबसे पीछे रह गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणा में एक ब्याज सब्सिडी भी शामिल है, जो सस्ती दरों पर लोन देने का वादा करती है, जिससे कई लोगों का अपने घर का मालिक बनने का सपना सच हो सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त घरों की योजना के साथ, सरकार हर नागरिक को एक सुरक्षित जगह देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। यह पहल हमारे देश के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए एक अत्यंत आवश्यक कदम है। यह उनकी संघर्षों की मान्यता है और उन्हें एक बेहतर भविष्य देने की प्रतिबद्धता है। सिर पर छत की परिभाषा केवल आश्रय मात्र ही नहीं होती है, बल्कि यह गरिमा, सुरक्षा और उम्मीद का प्रतीक भी होती है। यह लोगों को बिना लगातार विस्थापन के डर के, एक बेहतर जीवन बनाने के लिए आवश्यक आधार प्रदान करती है। अगले पाँच वर्षों की ओर गौर करेंगे, तो हम पाएँगे और यह सच भी है कि हर आँकड़े के पीछे एक इंसान होता है, जिसे सपने, आकांक्षाएँ और गरिमा के साथ जीवन जीने का हक है। आइए, हम भी सरकार के साथ मिलकर उन सभी पहलों का समर्थन करें, जो शहरों में रहने वाले गरीबों को बेहतर जीवन देने का प्रयास करती हैं और सुनिश्चित करें कि वे शहर की सड़कों पर अपना जीवन जीने के लिए मजबूर न हों। साथ मिलकर, हम एक ऐसे समाज की स्थापना कर सकते हैं, जहाँ हर किसी को एक बेहतर जीवन का उचित मौका मिले, और जहाँ सड़कें प्रगति के रास्ते होंय गरीबी की जेल नहीं। एक घर सिर्फ चार दीवारें और एक छत से ज्यादा होता है। यह एक आश्रय, आराम का स्थान और उम्मीद का प्रतीक होता है। आइए, इस सपने को हर नागरिक और विशेष रूप से हर एक जरूरतमंद के लिए वास्तविकता बनाने की कोशिश करें, और साथ ही यह सुनिश्चित करें कि हमारी और हमारे देश की प्रगति और समृद्धि की यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे।

सरकार के लिए चुनौती पेश करेंगे कुछ विरोधाभास

संजय

बीते नौ जून को सत्ता में आई नई राजग सरकार का यह पहला पूर्ण बजट है। यह बजट कई मायनों में खास है, जो अगले पांच वर्षों के दौरान आर्थिक प्रबंधन के लिए नीतिगत ढांचे का प्रतिबिंब है। बजट की शुरुआत दो सावधानियों के साथ होती है–बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और वैश्विक मुद्रास्फीति का बढ़ता जोखिम। बजट भाषण में वित्त मंत्री द्वारा इन दो वैश्विक जोखिमों का उल्लेख दर्शाता है कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था इन वैश्विक जोखिमों के प्रति कितनी संवेदनशील है। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि इन जोखिमों के बावजूद भारत के विकास की गति बनी रहेगी। लेकिन इसके लिए एक स्थिर व व्यापक आर्थिक व्यवस्था, टिकाऊ ऋण और घरेलू निवेश व उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी बेहद जरूरी है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए केंद्रीय बजट 2024–25 में नौ प्राथमिकताएं बताई हैं। इनमें उत्पादकता, नौकरियां, सामाजिक न्याय, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार और सुधार शामिल हैं। इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

हाल के वर्षों में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती रही है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि इस बार बजट में रोजगार, कौशल विकास, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम आकार के उद्यम (एमएसएमई) एवं मध्यवर्ग पर खास ध्यान दिया गया है। बजट में रोजगार बढ़ाने या निजी क्षेत्र में रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय से संबंधित जिन पांच योजनाओं की घोषणा की गई है, वे समावेशी विकास और सामाजिक विकास के लिए सक्षम ढांचा बना सकती हैं। ये घोषणाएं इस तथ्य को भी रेखांकित करती हैं कि बेरोजगारी इस समय देश के सामने सबसे गंभीर एवं व्यापक आर्थिक समस्याओं में से एक है। कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र और रोजगार के अवसरों के बीच अंतर को पाटने के लिए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे को संबोधित करने के उद्देश्य से 2 ट्रिलियन (बीस खरब) रुपये के प्रधानमंत्री पैकेज के हिस्से के रूप में एक नई केंद्र प्रायोजित योजना की भी घोषणा की। 60 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना का लक्ष्य राज्य सरकारों और उद्योग के सहयोग से अगले पांच वर्षों में बीस लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रदान करना है। कौशल के परिणाम और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो पाठ्यक्रम सामग्री और डिजाइन उद्योग की जरूरतों के अनुरूप है। 60 हजार करोड़ रुपये में से, राज्य सरकारें 20 हजार करोड़ रुपये और उद्योग जगत 10 हजार करोड़ रुपये का योगदान देगा, जिसमें उसके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड भी शामिल हैं। इस बजट में अगली पीढ़ी के सुधारों से संबंधित कई घोषणाएं की गई हैं। ये सुधार भूमि, श्रम, पूंजी, केंद्र–राज्य समन्वय और प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित हैं। बजट में जलवायु अनुकूलन और शमन के लिए पूंजी की उपलब्धता बढ़ाने की खातिर सक्षम ढांचा बनाने पर भी जोर दिया गया है। इनमें से अधिकांश सुधारों का क्रियान्वयन राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। खास तौर से भूमि से संबंधित कोई भी सुधार राज्य सरकारों को ही करना होगा। संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार, भूमि पर अधिकार, जमींदार और किरायेदार के संबंध सहित भूमि का स्वामित्व, और किराये का संग्रहय कृषि भूमि का हस्तांतरण तथा भूमि सुधार राज्य के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। पिछले दो दशकों में भूमि एवं भूमि बाजार में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कुछ राज्यों में भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण एक बड़ी कामयाबी है। इस संबंध में राज्य स्तर पर व्यावहारिक भूमि संबंधी नीतिगत सुधारों के लिए विभिन्न राज्य स्तरीय नीतियों को समझना महत्वपूर्ण है। इस मामले में केंद्र सरकार केवल राज्यों को सक्षम बना सकती है। ये सुधार केंद्र सरकार द्वारा संचालित नहीं किए जा सकते। इसलिए ऐसे सुधारों के कार्यान्वयन की सफलता के लिए राज्य सरकारों के साथ परामर्श प्रक्रिया की शुरुआत करनी होगी। इस बजट में आयकर ढांचे में इस तरह परिवर्तन किया गया है कि आयकर भुगतान के बाद लोगों के हाथों में ज्यादा पैसा बचा रहे। इसके लिए मूल छूट सीमा को बढ़ाया गया है, जिसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती में छूट सीमा भी 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है। बजट में आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की भी घोषणा की गई है। चूंकि आधुनिक कर प्रणाली सरल और प्रशासन में आसान है, इसलिए आयकर अधिनियम की समीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। आयकर स्लैब में भी बदलाव किया गया है, जिससे आय वितरण के निचले छोर पर रहने वाले लोगों को मदद मिलेगी। हालांकि आयकर व्यवस्था वेतनभोगी और मध्यम वर्ग के हाथों में कर चुकाने के बाद अधिक आय प्रदान करती प्रतीत होती है।

विनिर्माण में सहायता हेतु इंजन की आवश्यकता

ऐश्वर्या

तीन साल तक बिना किसी परेशानी के चलने के बाद, मैकबुक में कुछ समस्याएँ आने लगीं। वह एक Apple सर्विस सेंटर गई, जहाँ समस्या का निदान करने के लिए उनसे 2,600 रुपये लिए गए। मरम्मत के लिए और भी शुल्क लिया गया। उसी समय, Apple ने अपग्रेडेड फीचर्स और बेहतर कैमरे के साथ एक नया पचेवदम मॉडल पेश किया। Apple Inc के R–D ने इसे संभव बनाया। नए संस्करण के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीति ने लोगों के बीच काफी क्रेज पैदा किया है। पहला मामला सर्विसिटाइजेशन का उदाहरण प्रस्तुत करता है, जबकि दूसरा सर्विसिफिकेशन का उदाहरण प्रस्तुत करता है – एक बहुत व्यापक अवधारणा। प्रमुखता प्राप्त करना सर्विटाइजेशन एक उत्पाद–केंद्रित कंपनी में सेवाओं को जोड़ने की प्रक्रिया है, ताकि अतिरिक्त राजस्व धाराएँ उत्पन्न की जा सकें और ग्राहकों को लगातार वांछित परिणाम दिए जा सकें, अक्सर इस हद तक कि कंपनी मुख्य रूप से समाधान–केंद्रित हो जाती है। इसका क्लासिक उदाहरण ग्राहक सेवा सेवाएँ, नेटफ्लिक्स और स्पॉटिफाई हैं। 1980 के दशक में, निर्माताओं के लिए खुद को अपने प्रतिस्पर्धियों से अलग करने और क्लाइंट कनेक्शन विकसित करने के साधन के रूप में सर्विसिटाइजेशन की अवधारणा लोकप्रिय हो गई।दूसरी ओर, औद्योगिक उत्पादन को डिजाइन, R–D, प्रोटोटाइपिंग सेवाएँ, परिवहन, विपणन, ब्रांडिंग, IT सेवाएँ (उदाहरण के लिए, मोबाइल फोन में इनबिल्ट ऐप), नेटवर्कध्संचार सेवाएँ और डेटा–प्रोसेसिंग सेवाओं जैसी गतिविधियों में विभाजित करना विनिर्माण का सर्विसि फिकेशन कहलाता है। एक इनपुट और एक आउटपुट के रूप में, विनिर्माण क्षेत्र इस प्रकार सेवाओं पर तेजी से निर्भर होता जा रहा है, जो उत्पादकता, दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में मदद करता है।विनिर्माण कंपनियाँ अब इनमें से अधिकांश मूल्य–श्रृंखला गतिविधियों को आउटसोर्स कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप सेवा प्रदाताओं की माँग बढ़ गई है। इसी तरह, वे अब अधिक संख्या में सेवाएँ उत्पादित कर रही हैं। ऐसे कई कारण हैं जिन्होंने वर्तमान आर्थिक व्यवस्था में सर्विसिटाइजेशन और सर्विसिफिकेशन के महत्व में योगदान दिया है। सबसे पहले, ज्ञान–गहन सेवाओं का उपयोग नई तकनीकों को अपनाने में सहायता कर सकता हैय परिणामस्वरूप, विनिर्माण संगठन उत्पादकता बढ़ाने के लिए सेवाओं पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं। दूसरा, परिवहन और संचार जैसी सेवाएँ विनिर्माण के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही हैं, जिससे विनिर्माण उद्यमों द्वारा मूल्य श्रृंखलाओं में सेवाओं की भागीदारी आवश्यक हो गई है। तीसरा, सेवाओं का उपयोग निर्माताओं के लिए ग्राहक संबंध स्थापित करने का एक तरीका हो सकता है। अंत में, कानूनी सेवाओं का उपयोग निर्माताओं को विनियमों का अनुपालन करने में सहायता करके बाजार में प्रवेश प्रतिबंधों को दूर करने में मदद करने के लिए किया जाता है। भारत का प्रदर्शन भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवाओं की हिस्सेदारी 1950–51 में 29.5: से बढ़कर 2021–22 में 50: से अधिक हो गई है। इसके अलावा, 1991 के सुधारों के बाद सेवाओं के निर्यात में तेजी आई और 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट के बाद अर्थव्यवस्था को सहारा देने में इसने प्रमुख भूमिका निभाई। सेवाओं के निर्यात की संरचना परिवहन जैसे पारंपरिक उप–क्षेत्रों से बदलकर आईटी–बीपीओ की ओर हो गई है, जिसने सेवा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा दिया है। इसी समय, विनिर्माण निर्यात में सेवाओं का योगदान पिछले कुछ वर्षों में 2000 में 17: से बढ़कर 2018 में 23: हो गया है। जबकि OECD देशों में व्यावसायिक सेवाएँ विनिर्माण निर्यात में लगभग 30: योगदान देती हैं, भारत का हिस्सा 25: से भी कम रहा है। यह भारत को विनिर्माण के सेवाकरण में लाभ उठाने की एक बड़ी संभावना प्रदान करता है। भारत में सेवाकरण की अपार संभावनाएँ हैं। IT और संबद्ध सेवाएँ, जो भारत के सेवा निर्यात का अधिकांश हिस्सा हैं, मूल्य–वर्धित के संदर्भ में सकल निर्यात का एक बहुत छोटा हिस्सा बनाती हैं। यह दर्शाता है कि ये सेवाएँ अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के निर्यात में अंतर्निहित होने के बजाय बड़े पैमाने पर सीधे निर्यात की जाती हैं, जिसका अर्थ है कि देश के अन्य क्षेत्रों से निर्यात में विशिष्ट सेवाओं का लाभ उठाने का अधिक अवसर है। R–D और अन्य व्यावसायिक परिचालनों से योगदान की कम मात्रा विशेष रूप से उल्लेखनीय है, और यह संकेत दे सकती है कि भारतीय विनिर्माण निर्यात मूल्य श्रृंखला के निचले छोर पर पाए जाने की अधिक संभावना है, जहाँ वर्तमान में सेवा एकीकरण की संभावना सीमित है। 2011 में, सभी सेवाओं का लगभग 90: घरेलू मूल का था (जैसे कि अधिकांश विकासशील देश) और कुल निर्यात में विनिर्माण मूल्य–वर्धित योगदान के लगभग 60: हिस्से से बहुत अधिक था। सकल निर्यात में इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए, बाद वाला सुझाव देगा कि घरेलू सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मकता समग्र निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। विशेष क्षेत्र विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए, मेजबान देश अब विनिर्माण प्रक्रिया में उपयोग की जाने वाली सेवाओं के लिए लक्षित प्रोत्साहन दे रहे हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों, उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों आदि में इकाइयों को सब्सिडी प्रदान की जा रही है। ये सब्सिडी ये परियोजनाएं रसद, प्रशिक्षण, विपणन और ब्रांडिंग लागतों की भरपाई करती हैं। उदाहरण के लिए, ताइवान में कानूनी, व्यवसाय नियोजन, विपणन, कौशल प्रशिक्षण, भंडारण, सुरक्षा और अन्य सहायता सेवाओं जैसे क्षेत्रों में SEZ इकाइयों को सब्सिडी दी जाती है। कोरिया गणराज्य द्वारा निर्माण सुविधाओं को सब्सिडी दी जाती है। मलेशिया नॉलेज पार्क मान्यता प्राप्त शोध संस्थानों की सेवाओं के उपयोग के लिए भुगतान पर दोहरी कटौती जैसे लाभ प्रदान करता है। 2018 में, अमेरिका में 262 विदेशी व्यापार क्षेत्रध्लॉजिस्टिक्स हब थे, जबकि चीन में 15 थे। इसके अलावा, जोन ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करने पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। खालसा इंटर कॉलेज, एन सी सी कैडेट के छात्र एवं छात्राओं द्वारा कारगिल युध्द में हुए शहीदों को किया शत् शत् नमन् इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सरदार वीरेंद्र सिंह ने बताया कि कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था, जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ, इसमें भारत विजय हुआ। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य नीरज जी ने बताया कि कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में मौजूद जन समाज सेवा संस्था लखनऊ के अध्यक्ष सरदार रनजीत सिंह ने अगवत कराया कि घुसपैठियों के नियोजित रणनीति के बारे मे पता चला जिससे भारतीय सेना को एहसास हो गया कि हमले की योजना बहुत बड़े पैमाने पर की गयी है। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को कारगिल क्षेत्र मे भेजा,यह युद्ध 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 527 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे, आज का दिन हर भारतीय के लिए बड़े ही गर्व का दिन है। जिसके लिए बहुत बड़ी शहादत देकर देश के वीर जवानों ने कारगिल युद्द की विजय हमारी झोली में डाली है, देश की शान देश का मान वीर सपूतों को जितना भी याद किया जाये बह कम होगा,इस कार्यक्रम में बी.के श्रीवास्तव, जसपाल सिंह, सतवीर सिंह, गुरमीत कौर ,अलका राय, विक्रांत अवस्थी, अखिलेश कुमार, अमर सिंह,मौजूद थे।

शहीद सैनिकों की याद में बने शहीद स्मारक के सौंदरीकरण कार्य का जिला अधिकारी ने किया अनावरण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के द्वारा सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय के मुख्य द्वार पर शहीद सैनिकों के याद में बने शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण कार्य का अनावरण किया गया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने पुष्पचक्र अर्पित कर कारगिल शहीदों को नमन किया। जिलाधिकारी और नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य के द्वारा शहीद परिवार के स्वजनो को अंग वस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया व उनकी समस्याएं भी सुनी गयी। जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी ले. कर्नल विजय अहलावत को निर्देश दिया कि शहीद परिवार के सैनिकों के परिवारजन की समस्याओं का प्रार्थना पत्र एकत्रित कर जिला प्रशासन को सौंपे और जिस विभाग से संबंधित शिकायत हो उसे जिलाधिकारी के माध्यम से संबंधित विभागों द्वारा निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार, यातायात निरीक्षक जी.डी. शुक्ला, कैप्टन अजीत पांडेय, के.के. सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मुंगरा बादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉ0 लक्ष्मी सिंह द्वारा 26 जुलाई 2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुंगराबादशाहपुर का औचक निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया। चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओमप्रकाश, एएनएम श्रीमती मंदाकिनी, बी0पी0एम0 त्रिभुवन राम एवं बी0सी0पी0एम0 संतोष कुमार यादव अनुपस्थित पाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया। अस्पताल का निरीक्षण करने के दौरान साफ–सफाई व्यवस्था समुचित न होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त किया। तत्काल अस्पताल परिसर एवं पूरे अस्पताल की साफ–सफाई करने का निर्देश दिया।

वार्डों में बेड पर चादर गंदा पाए जाने पर उन्होंने संबंधित स्टाफ नर्स को कड़ी फटकार लगाया तथा चेतावनी दिया कि वार्ड साफ स्वच्छ हो तथा बेड पर चद्दर प्रतिदिन बदला जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दवाओं के स्टॉक के विषय में भी पूछताछ किया। चिकित्सालय में सभी तरह की दवाएं उपलब्ध थी। उन्होंने प्रसव कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। चिकित्सा अधीक्षक से उन्होंने जनपद में चलाए जा रहे संचारी एवं दस्तक अभियान के विषय में जानकारी लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निर्देशित किया की दस्तक अभियान के दौरान आशा माइक्रो प्लान के अनुसार प्रत्येक घर का भ्रमण करें एवं सभी लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूचना ई कवच पर अंकित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि 05 साल से कम उम्र के बच्चों को ओ0आर0एस0 पैकेट अवश्य दें। यदि कहीं कोई डायरिया का बच्चा चिन्हित होता है तो उसे ओ0आर0एस0 का पैकेट के साथ जिंक टेबलेट भी दें।

बीजेपी द्वारा आयोजित मतदाता अभिनंदन समारोह संपन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी सदर विधानसभा द्वारा आयोजित मतदाता अभिनंदन समारोह सिपाह स्थित रीवर व्यू होटल के हाल में सम्पन्न हुआ। अभिनंदन समारोह में अतिथि के रूप लोकसभा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह व सदर विधायक उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवम युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव रहे और अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया। मतदाता अभिनंदन समारोह में लोकसभा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह व मंत्री गिरीश चन्द्र यादव जी द्वारा लोकसभा चुनाव अग्रणी भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ता/मंडल अध्यक्ष व पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मान सम्मान मे कही से कोई कमी नहीं आयेगी। उनके हित की रक्षा की जाएगी। लोकसभा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने कहा कि जौनपुर सदर के लोकसभा प्रत्याशी के रूप में लोगों का भरपूर समर्थन और सपोर्ट मिला हमको जिसमे चार लाख वोट हमको प्राप्त हुआ लेकिन परीणाम मेरे पक्ष में नहीं आया उसका दोश मैं किसी को नहीं दे सकता, मैं अपने हार की जिम्मेदारी स्वयं लेता हूं। कहीं न कहीं मुझसे ही कोई कमी रही होगी , लेकिन परिणाम जो भी हो मैं उसे स्वीकार करते हुए जौनपुर लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए अपना योगदान देता रहूंगा। मतदाता अभिनंदन समारोह भाजपा के पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह जी एवं पूर्व विधायक बांकेलाल सोनकर ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष दक्षिणी अमित श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर रामसूरत मौर्य, महामंत्री सुशील मिश्रा, पीयूष गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, नीरज सिंह, सुनील तिवारी, प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन, श्याममोहन अग्रवाल, प्रतिनिधि अजय सिंह, मिडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, श्यामबाबू यादव, राजकेसर पाल , धर्मेंद्र मिश्रा, मदन सोनी, नंदलाल यादव , ब्रह्मेस शुक्ला, नंद लाल यादव, बसंत प्रजापति, संतोष मौर्या व सुनील यादव आदि लोग मौजूद रहे।

राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के कारण फंसाया गया – राहुल गांधी

सुल्तानपुर। एमपी एमएलए कोर्ट में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी।

न्यायाधीश से बोले, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते मुझे फंसाया गया।

न्यायाधीश ने राहुल गांधी से पूछे चार सवाल।

कोर्ट ने पूछा क्यों चला मुकदमा, राहुल गांधी बोले राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता ही इसका कारण।

मैंने बेंगलुरु के पत्रकार वार्ता में नहीं दिया कोई ऐसा बयान।

12 अगस्त को अध्यक्ष विजय मिश्रा के अधिवक्ता की तरफ से पेश होंगे गवाह, होगी मामले में अगली सुनवाई।

विधवा पेंशन से वंचित लाभार्थी करे बैंक व नजदीकी जनसेवा केंद्र से संपर्क – जिला प्रोबेशन अधिकारी

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिन विधवा महिलाओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित जिन महिलाओं के पति की मृत्यु हो गई है और उन विधवा महिलाओं को विधवा पेंशन नही मिल रहा हो तो वे अपने बैंकों पर जाकर संपर्क करें या फिर अपने नजदीकी जनसेवा पर जाकर सम्पर्क कर इसमे होने वाली गलतियों को संशोधित करा ले।जिससे उन्हें समय समय पर विधवा पेंशन मिलती रहे।यह बातें जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्वनी कुमार तिवारी ने बताई।उन्होंने सभी विधवा पेंशन योजना से लाभान्वित हो रही महिलाओं से अपील किया है कि वे सभी अपने अपने बैंकों या फिर जनसेवा केंद्र पर इस समस्या का निराकरण करा ले। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभार्थियों को भुगतान आधार वेस्ड प्रणाली के अन्तर्गत किया जायेगा।उन्होंने बताया कि अभी तक अयोध्या में लगभग 4100 लाभार्थियों को आधार रिसेट हो गया है।3119 लाभार्थियों का बैंक में एन०पी०सी०आई नहीं हुआ जिनकी पेंशन का भुगतान नहीं हो सका है।

जिसके चलते इन महिलाओं का विधवा पेंशन रुका हुआ है।उन्होंने इस योजना के लाभार्थियों से अनुरोध है कि जिन लाभार्थियों के बैंक खातो में आधार लिंक (एन०पी०सी०आई०) अपडेट नहीं है वह सभी लाभार्थी शीघ्र से शीघ्र अपने बैंक खाते में आधार लिंक (एन०पी०सी०आई०) तत्काल अपडेट कराये। जिनके पेंशन में आधार रिसेट हो गया है वे जनसेवा केन्द्र के माध्यम से पेंशन की विभागीय वेबसाईट sspy.up.gov.in पर पेंशन में आधार प्रमाणीककरण शीघ्र से शीघ्र करा ले।जिससे कि इस योजना का लाभ वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम तिमाही की किस्त के रुप जनपद के समस्त लाभार्थियों को प्राप्त हो सके।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अपर जिलाधिकारी ने लिया बैठक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व गणेश प्रसाद सिंह के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन जुलाई–अगस्त 2024 की तैयारी के संबंध में समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, समस्त निर्वाचन सहायक निर्वाचन अधिकारी, समस्त प्रभारी अधिकारी एवं समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत के साथ बैठक की गई। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि 06 अगस्त 2024 को प्रातः 7:00 बजे से सायं 5:00 तक, मतदान एवं 08 अगस्त 2024 को प्रातः 8:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक मतगणना संपन्न कराई जाएगी। जनपद में कुल 03 प्रधान पद, 01 सदस्य क्षेत्र पंचायत एवं 07 ग्राम पंचायत सदस्य के पदों पर वास्तविक रूप से निर्वाचन कराया जाना है। कुल 04 विकास खडों में 14 मतदान स्थलों पर निर्वाचन कराए जाने हेतु कुल 72 कार्मिकों की आवश्यकता होगी। प्रत्येक विकास खंड के लिए 01 मतगणना पार्टी की ड्यूटी लगाई गई जाएगी, इसके लिए 16 मतदान कार्मिकों की आवश्यकता होगी।

मतदानध्मतगणना का प्रशिक्षण 01 अगस्त को प्रेक्षागृह में पूर्वान्ह 11:00 से अपरान्ह 2:00 बजे तक कराया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए परियोजना निदेशक को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिए गए। मतदान पार्टियों को मतदान स्थल तक ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था करने हेतु नगर मजिस्ट्रेट एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के करने के निर्देश दिए। सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती जिला निर्वाचन कार्यालय के द्वारा की जाएगी सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट मतदान से 02 दिन पूर्व अपने संबंधित बूथों का भ्रमण का रिपोर्ट संबंधित उप जिलाधिकारी को प्रेषित करेंगे। मतदान स्थल का निर्माण खंड विकास अधिकारी के स्तर से कराए जाने हेतु आयोग के द्वारा निर्देश दिया गया है। स्ट्रांग रूम विकास खंड मुख्यालय पर बनाया जाएगा, जिसके लिए समस्त खंड विकास अधिकारी मतदान से एक दिन पूर्व अनिवार्य रूप से स्ट्रांग रूप का निर्माण कर लेंगे। मतदान एवं मतगणना में वीडियोग्राफी की व्यवस्था खंड विकास अधिकारी के स्तर पर कराए जाने के निर्देश दिए हैं। मतदान स्ट्रांग रूम एवं मतगणना सुरक्षा व्यवस्था हेतु आवश्यक पुलिस बल की तैनाती पुलिस अधीक्षक के स्तर पर कराई जानी है।

मनबढ़ दबंगो ने कपड़ा व्यवसायी को मार पीट कर किया घायल, जांच में जुटी पुलिस

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के कल्यानपुर कबुलपुर बाजार कपड़ा व्यवसायी मंगल गुप्ता पुत्र रामसेवक गुप्ता को बीती गुरुवार रात को मनबढ़ दबंगो ने दुकान में मारपीट कर लहलुहान कर दिया। क्षेत्र के कबुलपुर गांव निवासी मंगल गुप्ता की कल्यानपुर में कपड़े की दुकान है। मंगल गुप्ता प्रतिदिन की तरह गुरुवार की देर रात अपने कपड़े की दुकान पर अपने साथियों के साथ के बैठा था। अचानक जफराबाद की तरफ 3 मोटरसाइकिल पर सवार 9 से 10 मनबढ़ युवक मोटरसाइकिल से उतर कर दुकान में घुसे और कपड़ा व्यवसायी को मारपीट कर लहलुहान कर दिया। और मौके से फरार हो गए घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मारपीट की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो द्वारा इस संबंध में थाने पर लिखित तहरीर दिया गया है। इस मामले में शुक्रवार को जानकारी लेने पर जफराबाद थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर व सीसीटीवी की मदद से पुलिस जांच में जुटी है। जल्द ही इसका खुलासा हो जाएगा।

युवक की मौत मामले में मृतक के परिजनों ने शव रख कर किया प्रदर्शन

अयोध्या। गुरुवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के पहाड़गंज घोसियाना निवासी मो अहमद पुत्र जियाउल्ला की मौत मामले में मोहल्ले वाले ने गुरुवार को शव सड़क पर रखकर घंटो प्रदर्शन किया। काफी देर तक सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय द्वारा घंटों मान–मनौव्वल के बाद मृतक के परिजन माने।इस मामले में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय ने गिरफ्तारी का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया।बताते चलें कि नगर कोतवाली के हैदरगंज रेलवे क्रासिंग के पास युवक मो अहमद बुधवार की रात गंभीर हाल में घायल मिला था।एंबुलेंस से उसे रात 8.40 बजे जिला अस्पताल भर्ती कराया गया था और डाक्टर की ओर से लखनऊ रेफर किए जाने के बाद लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत के बाद भोर 3.55 बजे जिला अस्पताल लाए जाने पर डा वीरेंद्र वर्मा ने मृत घोषित कर दिया। पीएम के बाद रामनगर–मोदहा मार्ग पर घंटों प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शकारियों की मांग थी कि अब्दुल कलाम और अब्दुल सलाम ने उस पर हमला किया था और जान से मारने तथा बर्बाद करने की धमकी देकर सुलह करा लिया था।जिसके चलते मो अहमद मानसिक अवसाद में था और इसी कारण उसने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की कोशिश की।ऐसे में रिपोर्ट दर्ज करवा कार्रवाई कराई जाए।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करवा प्रति मौके पर मंगाई तो आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोग शव को सड़क पर ले आए।पुलिस ने गिरफ्तारी का आश्वासन देकर प्रदर्शन खत्म कराया। इस दौरान नगर कोतवाली और थाना कैंट की पुलिस मुस्तैद रही। इस संबंध में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर ने बताया कि मृतक के चाचा अशफाक अहमद की तहरीर पर नगर कोतवाली में दो के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की विवेचना करवा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर जिला अधिकारी ने लिया बैठक दिया आवश्यक दिशानिर्देश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती के अंतर्गत प्रस्तावित आरक्षी नागरिक पुलिस की परीक्षा को जनपद के 34 परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शी, सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जारी शासनादेश के मानकों के अनुरूप सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने प्रधानाचार्यों व स्कूल प्रबंधकों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों के भवन की बाउंड्रीवाल, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, परीक्षार्थियों के बैठने तथा शौचालय, पीने के लिए शुद्ध पेयजल आदि की व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाए। केंद्र व्यवस्था की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि कही भी शिकायत आयी तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के मंशानुरूप परीक्षा सकुशल व निष्पक्ष रुप से सम्पन्न कराई जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजयपाल शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक शहर डॉ0 बृजेश कुमार, देहात शैलेंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा सपा का प्रतिनिधि मंडल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मध्यप्रदेश के सागर जिले में दलित युवक की हत्या के मामले में समाजवादी पार्टी के नेताओ ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। समाजवादी पार्टी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव और पूर्व विधायक सुनीलम ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि वह पीड़ित पक्ष को धमका रही है और जान से मारने की धमकी दे रही है। श्री भारती ने कहाकि पुलिस, पीड़ित परिवार को डराने–धमकाने में लगी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि पीड़ित परिवार पर दर्ज मामलों को तुरंत वापस लिया जाए। इसके अलावा, पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक भूपेंद्र सिंह पर आरोपियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया गया है। डॉ. मनोज यादव और सुनीलम ने कहा कि भूपेंद्र सिंह का यह रवैया न्याय प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है और पीड़ित परिवार को न्याय मिलने में बाधा उत्पन्न कर रहा है। श्री भारती ने कहाकि मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और कहा है कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि वह मामले की निष्पक्ष जांच करे और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। राम बाबू सुदर्शन राष्ट्रीय महासचिव ने कहाकि इस तरह की घटनाएँ समाज में असुरक्षा और भय का माहौल पैदा करती हैं, जिसे रोकना बेहद जरूरी है। राम बाबू सुदर्शन राष्ट्रीय महासचिव सपा पार्टी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी ने उक्त जानकारी दी।

कारगिल विजय दिवस पर एस.के.डी. एकेडमी ने दी वीर सपूतों को श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। एस.के.डी. एकेडमी ने आज कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बंधुओ की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में उद्योग बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उद्यमियों द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से सभी औद्योगिक अवस्थानों एवं सीडा सतहरिया में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस पेट्रोलिंग कराने का अनुरोध किया गया, जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त विषय पर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु आश्वासन दिया गया। बैठक में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि नाला निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है जिस पर मेसर्स रामापालीमर्श के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि अभी कार्य अपूर्ण है जिस पर जिलाधिकारी द्वारा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत एवं मेसर्स रामापालीमर्श को मौके पर जाकर निरीक्षण कर आख्या जी0 एम0 डी0 आई0 सी0 को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत माध्यमिक कार्य खंड वाराणसी द्वारा अवगत कराया गया कि उकनी पावर हाउस सब स्टेशन से 33ध्11 के0वी0 विद्युत उपकेंद्र सीडा सतहरिया का कार्य पूर्ण हो गया है जिसपर सीडा उद्यमियों द्वारा अवगत कराया गया कि कार्य अपूर्ण है। जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता विद्युत माध्यमिक कार्य खंड वाराणसी को सीडा उद्यमियों के साथ उक्त कार्य को निरीक्षण करके आख्या देने के निर्देश दिए तथा मुख्य विकास अधिकारी एवं सहायक मुख्य अभियंता विद्युत विभाग जौनपुर की कमेटी बनाकर जांच कराने के निर्देश दिए गए। सीडा उद्यमियों द्वारा सीडा में एच०डी०एफ०सी० बैंक का ए०टी०एम० लगवाने हेतु विद्युत की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता विद्युत मछलीशहर को शाखा प्रबन्धक, से समन्वय कर विद्युत आपूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयबर चौहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार, सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव, उपायुक्त जीएसटी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधिशासी अभियंता विद्युत मछलीशहर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नए नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने संभाला कार्यभार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में नए नगर आयुक्त सुधीर कुमार गहलोत ने गुरुवार को कार्यभार संभाला। इससे पहले वह इसी जिले में सीडीओ थे। नगर आयुक्त ने चार्ज संभालते ही अधिकारियों और महापौर के साथ बैठक की। साथ ही, नगर निगम और विकास कार्यों को समझा। शहर की स्थितियों से पहले से ही

वाकिफ नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि शहर में राजस्व वसूली, सफाई और अतिक्रमण पर फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जगह–जगह सड़कें खराब हो गई हैं। ऐसे में शहर की सड़कों का सर्वे कराकर उन्हें गड्ढामुक्त कराया जाएगा। साथ ही, बिलिंग की समस्या को दूर करने के लिए कैंप लगाया जाएगा। हाउस टैक्स में बिलिंग की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा। हर जोन और वार्ड में कैंप लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त ने बताया कि 500 करोड़ से रेवेन्यू को बढ़ाकर 700 करोड़ तक बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा पूरे शहर में सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त किया जाएगा। वहीं शहर में धड़ल्ले से बन रहे फ्लैट्स के नामांतरण की प्रक्रिया दुरुस्त की जाएगी। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि बारिश को देखते हुए जलभराव की समस्या का त्वरित निदान और एंटी लार्वा का छिड़काव व फॉगिंग का कार्य भी तेज किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने राजस्व वसूली तेज करने और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान छेड़ने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि सूरत जैसे छोटे शहर में राजस्व वसूली काफी बेहतर है। इसके अलावा कानपुर में जाम की सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण है, जिसे चिन्हित करने के साथ ही अभियान चलाया जाएगा। सोसाइटी क्षेत्रों में होने वाले जलभराव का भी सर्वे कर उसके निराकरण की बात नगर आयुक्त ने कही। चार्ज लेने के बाद उन्होंने महापौर प्रमिला पांडेय से मुलाकात की।

किसान पर लाठी-डंडों से हमला कर किया अधमरा, हालत गंभीर

शामली, संवाददाता। झिंझाना थानाक्षेत्र में तीन दिन पूर्व हुई मारपीट में एक पक्ष के लोगों ने पीड़ित पक्ष के किसान पर लाठी–डंडों से हमला कर किया। लाठी–डंडों से व्यक्ति की खूब पिटाई की गई। मामले की वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया है। पीड़त पक्ष के लोगों ने पलायन की चेतावनी दी है। गुरुवार की सुबह ओदरी गांव का आरिफ पुत्र जबरदीन किरयाना की दुकान का सामान लाने के लिए अपने साथियों के साथ शामली के लिए निकला था। पीड़ित के छोटे भाई शारिब ने बताया कि जब वह गांव के चौराहे पर पहुंचा तो गांव निवासी व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मेरे भाई तथा मासूम पुत्र इमामुद्दीन पर लाठी डंडों से हमला कर दिया।

भाई को बेरहमी से पीटा गया तथा मरने की हालत में छोड़कर आरोपी फरार हो गए। परिजन दोनों घायलों को ऊन सीएचसी ले गए। जहां से घायलों की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। बताया कि तीन दिन पूर्व दूध के रुपए मांगने पर उनके नौकर को लाठी डंडों से पीटा गया था। घर की महिलाओं ने मारपीट का विरोध किया तो घायल आरिफ की पत्नी के पेट में भी लात मारने के बारे में तहरीर लेकर वह थाने पर आए थे । यहां पुलिस ने उनकी तहरीर पर कोई कार्रवाई नहीं की थी और देर रात तक उन्हें थाने में बिठाए रखा था। परिजनों का यह भी आरोप है कि पुलिस ने आरोपी पक्ष से साठ गांठकर मारपीट के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की थी। पुलिस का कहना है कि मामले की जाचं की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

अवर अभियंताओं ने काला फीता बांधकर जताया विरोध

बांदा, संवाददाता। सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सिंचाई विभाग के सभी इंजीनियरों ने बुधवार को काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। लंबित समस्याओं के निस्तारण की मांग की और प्रमुख अभियंता की मनमानी पर विरोध जताया। मंडल अध्यक्ष घनश्याम वर्मा की अगुवाई में सिंचाई विभाग के इंजीनियर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बुधवार को नवाब टैंक स्थित सिंचाई विभाग के कार्यालय में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सिंचाई विभाग के सभी डिवीजन में इंजीनियरों ने विरोध जताया। आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता (परियोजना) की मनमानी व विद्वेषपूर्ण कार्रवाई, नियमों के विपरीत आदेश के चलते इंजीनियर परेशान हैं। लंबित मांगों का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। धरना–प्रदर्शन में चंद्रप्रकाश, प्रयाग प्रसाद, आकांक्षा गुप्ता, आरिफ कमाल, राजेंद्र कुमार, वेद प्रकाश, शैलेंद्र, अवधेश कौशल, राहुल सिंह, रजनीश कुमार, रोहित कुमार आदि उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि यदि समस्याओं का निराकरण न किया गया तो प्रमुख अभियंता कार्यालय, लखनऊ में अनिश्चित कालीन धरना दिया जाएगा।

मामा फ्रेंकी रेस्टोरेंट के मालिक के रिश्तेदार ने किया सुसाइड

आगरा, संवाददाता। आगरा के मशहूर मामा फ्रैंकी रेस्टोरेंट के मालिक के रिश्तेदार ने कार में बैठकर खुद को गोली मार ली। वो ग्रेटर नोएडा से आया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सदर में सौदागर लाइन पुलिस चौकी क्षेत्र में मामा फ्रेंकी वाले के रिश्तेदार ने कार में अपनी कनपटी पर तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाले निपुण अग्रवाल ग्रेटर नोएडा के रहने वाले थे। मामा फ्रेंकी के मालिक का बड़ा बेटा उनके जीजा है। दुकान पर मौजूद कर्मचारी निपुण की कार पर पहुंचे तो उनका खून से लथपथ शव देख पुलिस को सूचना दी। एसीपी और थाने का फोर्स मौके पर पहुंच गया। पुलिस आत्महत्या का कारण पता करने की कोशिश में लगी हुई है।

24 करोड़ रुपये के गबन का मुख्य आरोपी शाखा प्रबंधक गिरफ्तार

इटावा, संवाददाता। इटावा में जिला सहकारी बैंक में 24 करोड़ रुपयों का गबन करने वाले मुख्य आरोपी वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (निलंबित) को कोतवाली पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कनिष्ठ प्रबंधक और कैशियर को इसी मामले में पहले ही जेल भेज चुकी है। सात अन्य फरार आरोपियों को भी पुलिस पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। जिला सहकारी बैंक के उपमहाप्रबंधक उमेश कुमार व वरिष्ठ शाखा प्रबंधक राजीव त्रिपाठी ने शहर के नौरंगाबाद स्थित बैंक शाखा की जांच की थी। जांच में 24,18,66000 रुपये का गबन व 72,30,013 रुपयों की अनियमितता मिलने पर 10 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कमेटी की जांच में मुख्य आरोपी वरिष्ठ शाखा प्रबंधक अखिलेश चतुर्वेदी को पाया गया था। जिसे पहले ही निलंबित कर दिया गया था। वहीं, 18 जुलाई को नामजद आरोपी कनिष्ठ शाखा प्रबंधक अतुल प्रताप सिंह व कैशियर नफीसुल जैदी उर्फ गुड्डू को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मुख्य आरोपी सहित आठों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए लगातार दबिश दे रही है।

अधिवक्ता की चूक से डीएम को जारी हुआ गैर जमानती वारंट

बांदा, संवाददाता। कानूनगो को वेतनवृद्धि का लाभ न देने के मामले में शासकीय अधिवक्ता की एक चूक से हाईकोर्ट ने बांदा डीएम के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया, जबकि शासन ने हाईकोर्ट के आदेश पर पहले अनुपालन करते हुए वेतनवृद्धि का लाभ दे दिया था। शासन के आदेश हैं कि 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को जुलाई के वेतनवृद्धि का विशेष लाभ दिया जाए। वेतन वृद्धि का लाभ न देने पर चित्रकूटधाम मंडल के 17 राजस्व कर्मचारी कानूनगो रमेश चंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में 30 जून 2023 को सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी मांग को जायज ठहराया। आदेश के क्रम में राजस्व कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट ने 18 जुलाई 2024 को सरकार को आदेश दिए कि इन्हें जुलाई माह का विशेष वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाए। कानूनगो रमेश चंद्र ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर सरकार ने उन्हें 20 जुलाई को विशेष वेतनवृद्धि का लाभ दे दिया, लेकिन 22 जुलाई को हाईकोर्ट में सरकारी अधिवक्ता वेतनवृद्धि का लाभ देने की जानकारी देने में नाकाम रहे। लिहाजा कोर्ट ने डीएम के खिलाफ वारंट जारी कर दिया। शासकीय अधिवक्ता की लापरवाही के कारण ऐसा हुआ है।

उर्वरक की फैक्टरी को किया सीज

सहारनपुर, संवाददाता। खेड़ा अफगान गांव में जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक बनाने की एक फैक्टरी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अलग–अलग कंपनी के रैपर मिलने व जरूरी कागज न दिखाने पर फैक्टरी को सीज कर नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। लाइसेंस भी निलंबित कर दिया गया। जिला कृषि अधिकारी कपिल कुमार मावी ने बुधवार शाम खेड़ा अफगान गांव में उर्वरक बनाने की एक फैक्टरी का निरीक्षण किया।

महिला से दुष्कर्म के दोषी को दस साल, सहयोगी पति को दो साल का कारावास

कानपुर, संवाददाता। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में करीब पांच साल पहले एक महिला के साथ दुष्कर्म हुआ था। इस मामले में पति व उसके दोस्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। मामले की सुनवाई अपर जिला जजध्एफटीसी प्रथम सुरेंद्र सिंह की अदालत में चल रही थी। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषसिद्ध करते हुए पति को दो साल और उसके साथी को दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दस हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर दोषी को दस माह का अतिरिक्त कारावास होगा। सहायक शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि भोगनीपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि उसका पति ब्रजेश नशेबाज है। 20 नवंबर 2019 की रात करीब दस बजे उसका पति क्षेत्र के अकोड़ी निवासी अपने दोस्त हरिकेश को घर लेकर आया और दोनों ने शराब पी। जब पति नशे में हो गया तब हरिकेश ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। उसके विरोध करने पर पति ने उसे चुप रहने की ध मकी दी। मामले में पुलिस ने विवेचना करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में पेश किए थे। मामले की सुनवाई अपर जिला जजध्एफ टी सी प्रथम सुरेंद्र सिंह की अदालत में चल रही थी। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दोनों आरोपियों को दोषसिद्ध करते हुए दोषी पति को दो साल के कारावास की सजा सुनाई। वहीं दुष्कर्म करने के दोषी हरिकेश को दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही उस पर दस हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर दोषी को दस माह का अतिरिक्त कारावास काटना होगा। वहीं अर्थदंड की समस्त धनराशि पीड़िता को दिए जाने के आदेश दिए हैं।

नदी में अचानक बढ़ा पानी, तीन भाइयों की डूबने से मौत

बिजनौर, संवाददाता। बखेत पर मजदूरी करके लौट रहे गांव रफैतपुर निवासी तीन सगे भाई ओमप्रकाश सिंह (40), तेजपाल (25) और जयसिंह (21) पीली नदी में डूब गए। एकदूसरे को बचाने में तीनों की जान चली गई। करीब 8 घंटे बाद तीनों के शव एक साथ लिपटे हुए मिले। गांव रफैतपुर निवासी बिरेंद्र सिंह का खेत पीली नदी के पार है। गांव के ही ओमप्रकाश सिंह, तेजपाल व जयसिंह पुत्रगण बलबीर और जयपाल सिंह पुत्र हरकेश बुधवार सुबह छह बजे बिरेंद्र सिंह के साथ उनके गन्ने के खेत में निराई करने के लिए गए थे। सुबह जाते समय नदी में पानी नहीं था। मगर लौटते समय करीब 10 बजे नदी में पानी बढ़ गया।

मौके पर पहुंचे अधिकारी – फोटो रू अमर उजाला

नदी के पानी से निकलने पर जयसिंह डूबने लगा। ओमप्रकाश व तेजपाल ने उसे बचाने का प्रयास किया तो वे भी डूब गए, जबकि जयपाल व बिरेंद्र पानी से किसी तरह से बाहर आ गए। दोनों ने गांव आकर युवकों के परिजनों सहित अन्य ग्रामीणों को सूचना दी। सभी लोग एकत्र होकर नदी पर पहुंचे और युवकों की तलाश की। जानकारी मिलने पर जिलेभर के अफसर मौके पर पहुंच गए। स्थानीय और गांव मनोहरवाली के गोताखोर सलमान, दानिश, सद्दाम, काजिम, फैजान व इमरान तीनों की तलाश में जुटे। अग्निशमन व फ्लड यूनिट के गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। फ्लड यूनिट भी मोटरबोट के जरिए नदी में तीनों की तलाश में जुटी। आठ घंटे बाद तीनों के शवों को 150 मीटर आगे नदी से निकाला गया।

डूबते वक्त तीनों भाइयों ने एक दूसरे को पकड़ लिया था

पीली नदी में डूबे मृतक ओमप्रकाश अपने पांचों भाई में सबसे बड़ा था। दूसरे नंबर का भाई मलखान है। तेजपाल तीसरा, जय सिंह चौथे और दुष्यंत पांचवें नंबर का भाई था। ओमप्रकाश तैरना जानता था, बाकी दोनों भाई नहीं। जब जयसिंह डूबने लगा तो ओमप्रकाश ने उसे बचाने का प्रयास किया। बचाने के प्रयास के चलते दोनों भाई ओमप्रकाश से लिपट गए और बह गए। जब शव मिले तो तीनों लिपटे हुए थे। इसी स्थिति में तीनों की मौत हो गई। पीली नदी में डूबे मृतक ओमप्रकाश अपने पांचों भाई में सबसे बड़ा था। दूसरे नंबर का भाई मलखान है। तेजपाल तीसरा, जय सिंह चौथे और दुष्यंत पांचवें नंबर का भाई था। ओमप्रकाश तैरना जानता था, बाकी दोनों भाई नहीं। जब जयसिंह डूबने लगा तो ओमप्रकाश ने उसे बचाने का प्रयास किया। बचाने के प्रयास के चलते दोनों भाई ओमप्रकाश से लिपट गए और बह गए। जब शव मिले तो तीनों लिपटे हुए थे। इसी स्थिति में तीनों की मृत्यु हो गई।

परिवार को आर्थिक मदद दिलाने की मांग

ग्रामीण चन्द्रवीर, अजीत, सौरभ, विपिन, सुरेन्द्र व सत्यप्रकाश आदि का कहना है कि पीली नदी में डूबने वाले युवकों के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। बड़ा भाई ओमप्रकाश विवाहित है और उसके तीन छोटे बच्चे भी है। वहीं अन्य दोनों भाई तेजपाल सिंह व जय सिंह अविवाहित है। तीनों भाई मजदूरी करके अपने परिवार का पालन करते है। तीन मौत के बाद पीड़ित परिवार के सामने आर्थिक संकट के साथ खाने पीने में भी परेशानी झेलनी होगी। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आर्थिक मदद दिलाने की मांग की है।

एक साथ लिपटे हुए थे तीनों भाई

पीली नदी में डूबे मृतक ओमप्रकाश अपने पांचों भाई में सबसे बड़ा था। दूसरे नंबर का भाई मलखान है। तेजपाल तीसरा, जय सिंह चौथे और दुष्यंत पांचवें नंबर का भाई था। ओमप्रकाश तैरना जानता था, बाकी दोनों भाई नहीं। जब जयसिंह डूबने लगा तो ओमप्रकाश ने उसे बचाने का प्रयास किया। बचाने के प्रयास के चलते दोनों भाई ओमप्रकाश से लिपट गए और बह

समाधान कराया जाएगा

पीली नदी पर पुल निर्माण के बारे में मालूम किया जा रहा है। सिंचाई विभाग से संपर्क कर ग्रामीणों की समस्या का समा ध ान किया जाएगा। वहीं, पीड़ित परिवार को भी हरसंभव मदद कराने का प्रयास किया जाएगा।

तीन लोगों ने लूटी युवती की आबरू

मेरठ, संवाददाता। क्षेत्र के गांव निवासी युवती से गांव के ही तीन युवकों ने गैंगरेप कर वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्षेत्र के गांव निवासी युवती को तीन युवक बहला फुसलाकर गन्ने के खेत में ले गए। तीनों आरोपियों ने दुष्कर्म करने की वीडियो भी बनाई। मामला दो सप्ताह पुराना है। अब आरोपी युवती को बुलाने का दबाव बना कर वीडियो वायरल की धमकी दे रहे थे। युवती के नहीं मिलने पर एक आरोपी ने युवती सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो बना लिया। युवती के मोबाइल पर भेज अन्य ग्रुप में भी वायरल कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने परिजनों को गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। वीडियो वायरल की जानकारी पर परिजनों ने थाने में संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने अनिकेत, आकाश, गुन्नु के खिलाफ संगीत ध ाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वही संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार का कहना है कि आरोपियों की धर पकड़ के लिए दबिश दी, लेकिन वे हाथ नहीं आए। जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सामूहिक दुष्कर्म का विडियो दो सप्ताह पुराना

बहसूमा। सामूहिक दुष्कर्म का मामला दो सप्ताह पुराना बताया गया है। क्षेत्र के गांव निवासी युवती से दो सप्ताह पूर्व बहला फुसलाकर कर तीन युवकों ने गन्ने के खेत में ले जा कर सामूहिक दुष्कर्म किया था। युवती ने लोक लाज व सामाजिक बदनामी की दर से यह छुपाए रखी। लेकिन आरोपी बार–बार उसको फोन कर बुलाने की धमकी देने लगे। धमकी देने का सिलसिला कई दिन से चल रहा था। उसके नहीं मिलने पर आरोपी ने पहले युवती के ही मोबाइल पर सामूहिक दुष्कर्म की वीडियो डाल दी। इस पर भी उन्हें संतोष नहीं हुआ इसके बाद अन्य ग्रुपों पर भी वीडियो वायरल कर दी। अप केवल दसवीं कक्षा तक की पढ़ी है।

कांवड़ियों ने जीजा–साले को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा, बाइक भी तोड़ी

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर–देहरादून हाईवे पर हिंडन पुल के पास कुछ कांवड़ियों ने जीजा–साले को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। कांवड़ियों ने उनकी बाइक तोड़कर सड़क किनारे खाई में फेंक दी। आरोप था कि जीजा–साले की बाइक टकराने से उनकी कांवड़ खंडित हुई है। घायलों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने हरियाणा के करनाल जिले के सात कांवड़ियों को नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जनकपुरी थाना क्षेत्र के जमालपुर निवासी अमन पुत्र लीलू मंगलवार देर रात अपने जीजा मच्छरहेड़ी गांव निवासी मोनू के साथ बाइक से लौट रहा था। देर रात जैसे ही यह हिंडन पुल के पास पहुंचे तो उनकी बाइक सामने चल रहे एक कांवड़िया से टकरा गई। जिस कारण कांवड़ में रखा जल कलश सड़क पर गिर गया। इससे गुस्साए कांवड़ियों ने जीजा–साले को पकड़ लिया और जमकर पीटा। उन्होंने खुद को बचाने के लिए वहां से भागने का भी प्रयास किया, लेकिन कांवड़ियों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। मामला यहीं पर शांत नहीं हुआ। मौके पर बड़ी संख्या में कांवड़िये इकट्ठा हो गए। इसके बाद लाठी–डंडों से उनकी बाइक में तोड़फोड़ कर दी। वहां पर मौजूद लोगों ने इसकी वीडियो भी बना ली। यहां तक कि बाइक को क्षतिग्रस्त कर सड़क किनारे खाई में फेंक दिया। पता चलने पर वहां स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची। जीजा–साले को किसी तरह बचाया गया और एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल में भेजा। कांवड़ियों का आरोप था कि उनकी कांवड़ खंडित की गई है। काफी देर तक हंगामा चलता रहा।

पुलिस ने थाने से गंगाजल मंगवाकर कांवड़िये को दिया

मामला तूल पकड़ता देख पुलिस ने थाने में रखा गंगाजल मंगवाकर कांवड़िये को दिया, जिसके बाद उन्हें समझा–बुझाकर शांत किया। इस दौरान काफी देर तक जाम की स्थिति भी बनी रही। इस मामले में घायल अमन ने हरियाणा के करनाल निवासी सचिन, विनोद, बिंद्र, सुखविंद्र, जगदीप, भूटा और करण को नामजद करते हुए कई अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया। घायल की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मारपीट करने वाले कुछ युवकों की पहचान हो चुकी है। फिलहाल मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जल्दी ही आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

एक्सप्रेस-वे पर बालू लदे ट्रक में घुसी स्लीपर बस, चालक समेत तीन की मौत 90 घायल

फिरोजाबाद, संवाददाता। बहराइच से सवारियों को लेकर दिल्ली जा रही स्लीपर कोच बस आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर आगे चल रहे बालू से लदे हुए ट्रक से जा टकराई। यह हादसा चालक को झपकी आने के कारण हुआ। हादसे में चालक समेत तीन की मौत हो गई। जबकि 90 यात्री घायल हो गए। 30 यात्रियों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं शेष यात्रियों को उपचार के लिए सैफई पीजीआई जनपद इटावा में भर्ती कराया गया है। बुधवार को बहराइच से स्लीपर कोच दिल्ली के लिए 120 यात्री को लेकर रवाना हुई। अधिकांश यात्री मजदूर वर्ग के बताए जा रहे हैं। जो परिवार व बच्चों के साथ थे। बृहस्पतिवार तड़के एक बजे करीब प्राइवेट बस जब आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर थाना नगला खंगर क्षेत्र के अंतर्गत किमी. संख्या 59 पर पहुंची। तभी अचानक बस चालक इरफान निवासी हापुड़ को अचानक झपकी आ गई। जिससे बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे बालू से लदे हुए ट्रक में पीछे से तेजगति से जा घुसी। इस हादसे में बस में सवार यात्रियों में से कुल 90 यात्री घायल हो गए। वहीं चालक इरफान, यात्री रामदेव एवं एक अन्य यात्री (अज्ञात) की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर प्रशासन में खलबली मच गई। आनन–फानन में एसपी ग्रामीण फिरोजाबाद रणविजय सिंह, एसडीएम शिकोहाबाद सुश्री विकल्प, एसडीएम सिरसागंज, इंस्पेक्टर शिकोहाबाद प्रदीप कुमार, इंस्पेक्टर नसीरपुर शेर सिंह, इंस्पेक्टर नगला खंगर गिरीश कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जा पहुंचे। कुछ ही देर बाद यूपीडा की टीम भी मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची दोनों ही टीमों ने तत्काल ही राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया। टीम ने एंबुलेंस की मदद से हादसे में घायल हुए 30 यात्रियों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती करा दिया। वहीं शेष यात्रियों को उपचार के लिए सैफई पीजीआई जनपद इटावा में भर्ती कराया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। कुछ ही देर बाद यूपीडा की टीम ने हाइड्रा की मदद से एक्सप्रेस–वे पर क्षतिग्रस्त खड़ी बस को एक्सप्रेस–वे से हटाकर यातायात को सुचारू कराया।

हादसे में इन घायलों को शिकोहाबाद में कराया भर्ती

फिरोज (25), शहनाज (25) निवासीगण वीरपुर, बहराइच, सफिया (35), साहिल (06) पुत्र मोहम्मद शरीफ, आबिदा (07) पुत्री शरीफ, शहनाज अली (25) निवासीगण पयागपुर साहनी थाना कुटिहार बहराइच, रामदेव (40) निवासी गोबा थाना रामनगर जिला बाराबंकी, हंसराज (18) पुत्र रक्षाराम निवासी पयागपुर बहराइच, सपना देवी (27) निवासी पयागपुर जिला बहराइच, उमेश गोस्वामी (27) निवासी राजापुर गिरेंट थाना विश्वेश्वरगंज बहराइच, रियाज (19) निवासी कुठेना थाना रानीपुर जनपद बहराइच, राजा बाबू (19) निवासी खुटेना घोसलीपुरवा थाना रानीपुर बहराइच, पप्पू (36), अरशद (09) पुत्र पप्पू निवासी पयागपुर साहनी, अंजू देवी (45), रामू सिंह (45) निवासीगण बेशनपुरवा थाना पयागपुर बहराइच, जवाहरलाल मौर्य (32), रामू (18) पुत्र जवाहरलाल निवासीगण सिसाना थाना पंडितपुर थाना विश्वेश्वरगंज बहराइच, साईजहां (40) एवं आयना (18) पुत्री सलीम निवासीगण पयागपुर जिला बहराइच, किशन कुमार (31) निवासी जमुनाकला थाना विश्वेश्वरगंज बहराइच, मायाराम (40) निवासी पयागपुर, सुरेश (38) निवासी हरियाहर थाना पयागपुर, अनिल (21) निवासी बहराइच, अभिषेक (30) निवासी मोतवा गोपालपुर बहराइच, संतोष कुमार (36) निवासी कला भोर नगरिया थाना गोला, सत्यनारायण (24) निवासी मरदा नगर बहराइच, कृष्ण कुमार (30) निवासी लखारामपुर बहराइच, अयोध्या प्रसाद (40) निवासी लखारामपुर बहराइच एवं आकाश कुमार (22) निवासी लखारामपुर बहराइच गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से फिरोज की हालत गंभीर है। वहीं आयना के अलावा सभी के फ्रैक्चर हुए हैं। एसपी ग्रामीण रणविजय सिंह ने बताया कि चालक को झपकी आने के कारण एक्सप्रेस–वे पर यह हादसा हुआ था। हादसे में चालक समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

कुएं में गिरकर किशोरी की मौत

बांदा, संवाददाता। इमली की पत्ती तोड़ने गई किशोरी की कुएं में गिरकर मौत हो गई। घटना से पहले बड़ी बहन से घरेलू कामकाज को लेकर उसका विवाद हुआ था। हालांकि पिता और परिजन कुएं में गिरने से मौत बता रहे हैं। शहर कोतवाली के मवई बुजुर्ग गांव निवासी संगीता (17) मंगलवार को दोपहर घर से इमली की पत्ती तोड़ने गई थी। घर के पास बने कुएं में उसकी गिरकर मौत हो गई। काफी देर तक नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुएं की जगत पर उसकी चप्पल उतरी देख कुएं में देखा और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने कुएं में कांटा डलवाया तो संगीता का शव फंसकर बाहर आ गया। पिता दासू राम ने बताया कि दो बेटों और तीन बेटियों में वह दूसरे नंबर की थी। घटना के पहले घरेलू कामकाज को लेकर बड़ी बहन मनीषा से कहासुनी हुई थी। शहर कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि कुएं में गिरकर किशोरी की मौत हुई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।